Experts' Institute
8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
JAVA Comp. Applications
Python Robotics & AI

ST. JOSEPH'S COLLEGE, PRAYAGRAJ
HALF YEARLY EXAMINATION, 2025
HINDI

TIME: 3 Hours **CLASS – 9** **MM: 80**

निर्देशः– यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–

खण्ड–अ एवं खण्ड–ब

(I) खण्ड–अ के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(II) खण्ड–ब से किन्हीं दो पुस्तकों में से कुल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड–अ (40 Marks)

प्र0–1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए– (15)

(I) जीवन में खेलकूद मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ सुख समृद्धि भी देते हैं। विद्यार्थी जीवन में इसकी उपयोगिता बहुत अधिक है। अपने किसी प्रिय खेल का वर्णन करें तथा यह खेल भविष्य में आपको कैसे लाभान्वित कर सकता है, एक निबंध में अपनी भविष्य की योजनाएँ भी बताइए।

(II) वृक्षों का जीवन में क्या महत्व है? वृक्ष काटकर मानव किस प्रकार अपने लिए मुसीबतें पैदा कर रहा है। अपने विचार लिखें।

(III) 'करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।' इस कथन से आरंभ अथवा अंत करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए।

(IV) ऊँचे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माता–पिता द्वारा बच्चों पर डाला गया दबाव कहाँ तक उचित है। अपने विचार प्रकट करें।

(V) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका वर्णन कीजिए अथवा कहानी या लेख लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्र0–2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए– (7)

(I) आपके क्षेत्र में सड़कों पर रोशनी न होने से अंधकार रहता है, नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखकर इसकी शिकायत कीजिए।

(II) 'हँसी सबसे बढ़िया दवा है', यह बताते हुये अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

प्र0–3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

कवि रवीन्द्रनाथ का नाम दुनिया में प्रसिद्ध है। इनको अपनी रचना 'गीतांजलि' पर नोबल पुरस्कार मिला था। गीतांजलि पहले बंगला में लिखी गई थी और बाद में इन्होंने इसका अंग्रेजी में भी अनुवाद किया। सभी ने इस रचना की प्रशंसा की। आज भी जो इस पुस्तक को पढ़ता है, आनन्द–विभोर हो जाता है।

विश्व कवि की बचपन की शिक्षा घर पर हुई। उन्हें जिस स्कूल में भेजा गया था,

वहाँ के अध्यापक अपने डण्डे पर अधिक भरोसा रखते थे। प्यार से विद्या पढ़ाने की प्रथा उस समय नहीं थी। बच्चों को मार का भय दिखाकर ही शिक्षा दी जाती थी। रवीन्द्रनाथ ने लिखा है कि उस समय बात–बात में सजा मिला करती थी। सिर पर पीटना, धूप में घण्टों खड़ा रखना आदि सजाएँ तो साधारण थीं। इन सजाओं से छुटकारा पाना कठिन था। उस समय कोई बिरला ही ऐसा भाग्यशाली होगा जो पाठशाला गया हो और उसे इन सजाओं को सहना न पड़ा हो।

रवीन्द्रनाथ का मन विद्रोही बन गया और उन्होंने पाठशाला जाना छोड़ दिया। उनके पिता महर्षि देवेन्द्र नाथ ठाकुर बहुत ही अनुभवी व्यक्ति थे। उन्होंने परिस्थिति को समझते हुए अपने होनहार बेटे की पढ़ाई का प्रबन्ध घर पर ही कर दिया। उनका यह विचार था कि बच्चे की शिक्षा उसकी रुचि के अनुसार होनी चाहिये। बच्चे के मन के विरुद्ध जाना उसकी प्रतिभा को रोकना है। बालक रवीन्द्रनाथ की रुचि आरम्भ से ही काव्य,संगीत, चित्रकला और नाटक की ओर थी। उन्हें इन विषयों की शिक्षा दी गई और वे जल्दी ही इन विषयों में निपुण हो गये।

(I) बालक रवीन्द्रनाथ की बचपन से ही किन विषयों में रुचि थी? (2)

(II) रवीन्द्रनाथ जी के समय पाठशालाओं में विद्या पढ़ाने की क्या प्रथा थी? (2)

(III) बालक रवीन्द्रनाथ ने पाठशाला जाना क्यों छोड़ दिया? (2)

(IV) रवीन्द्रनाथ के पिता का शिक्षा के बारे में क्या विचार था? (2)

(V) रवीन्द्रनाथ विश्व–प्रसिद्ध कवि क्यों माने जाते हैं? (2)

प्र0–4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

(I) 'आलस्य' का विलोम लिखिए– (1)

(a) यथार्थ (b) स्फूर्ति (c) समय (d) स्वार्थी

(II) 'कालिन्दी' का पर्यायवाची लिखिए– (1)

(a) सरस्वती (b) लक्ष्मी (c) गंगा (d) यमुना

(III) 'अपना' की भावावाचक संज्ञा लिखिए– (1)

(a) अपनापन (b) अपनाई (c) अपनी (d) आपनत्व

(IV) 'अपेक्षा' का विशेषण लिखिए– (1)

(a) सापेक्ष (b) उपेक्षा (c) निरपेक्ष (d) अपेक्षित

(V) 'तियोहार' का शुद्ध रूप लिखिए– (1)

(a) त्यौहार (b) त्योहार (c) तीयोहार (d) त्योहर

(VI) 'आँखे खुलना' मुहावरे का अर्थ लिखिए– (1)

(a) होश आना (b) आमने–सामने होना

(c) परवाह न करना (d) इशारा करना

(VII) 'कर्त्तव्य का पालन नहीं करने में दुःख है। ('नहीं' हटाइए, किन्तु वाक्य का अर्थ न बदलें) (1)

a) कर्त्तव्य का पालन नहीं करना चाहिए।

(b) कर्त्तव्य का पालन करना आवश्यक है।

(c) कर्त्तव्य का करना चाहिए।

(d) कर्त्तव्य का पालन करने में सुख है।

EXPERTS' INSTITUTE

(VIII) विद्यार्थी को जानने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए) (1)

(a) विद्यार्थी को जातक होना चाहिए।
(b) विद्यार्थी को जिज्ञासु होना चाहिए।
(c) विद्यार्थी को जिजीविषु होना चाहिए।
(d) विद्यार्थी को जिजीविषा होना चाहिए।

खण्ड–ब (40 Marks)

साहित्यसागर– गद्य भाग (संक्षिप्त कहानियाँ)

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िये और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

प्र0–5 **"काकी सो रही हैं, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो? मैं न जाने दूँगा।"**

(I) काकी कौन हैं? वह जमीन पर क्यों सो रही थीं? (2)
(II) वक्ता का परिचय दें। वह काकी को कहाँ नहीं ले जाने दे रहा है? (2)
(III) वक्ता को काकी के विषय में कौन–सा असत्य बताया गया। (3)
(IV) सत्य का पता लगने पर वक्ता की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए। (3)

प्र0–6 **"सब दिन होत न एक समान' अकस्मात दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।**

(I) गरीबी के कारण सेठ जी को किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ा? (2)
(II) 'सब दिन होत न एक समान' का क्या तात्पर्य है? यह सेठ जी पर कैसे लागू होता है? (2)
(III) बहुत तंगी होने के कारण सेठ जी को किसने और क्या सलाह दी और क्यों? (3)
(IV) सेठ जी का चरित्र –चित्रण लिखिए। (3)

प्र0–7 **"यज्ञ कमाने की इच्छा से धन दौलत लुटाकर किया गया यज्ञ, सच्चा यज्ञ नहीं है, निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ–महायज्ञ है।"**

(I) यह बात कौन और किसे समझा रहा है? (2)
(II) किसने सच्चा यज्ञ किया था और कैसे? (2)
(III) घर वापस आने पर उसकी पत्नी की क्या प्रतिक्रिया हुई? (3)
(IV) उन्हें अपने द्वारा किये गये यज्ञ का क्या पुरस्कार मिला? (3)

साहित्यसागर–पद्य भाग (कविताएँ)

निर्देश : निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर लिखिए–

प्र0–8 **लाठी में गुण बहुत हैं, सदा राखिये संग।**
गहरि, नदी, नारी जहाँ, तहाँ बचावै अंग।।
तहाँ बचावे अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारै।
दुश्मन दावागीर; होयँ तिनहूँ को झारै।
कह 'गिरिधर कविराय' सुनो हो धूर के बाठी।।
सब हथियारन छाँड़ि, हाथ महँ लीजै लाठी।।

(I) प्रस्तुत पद्य का संदर्भ लिखें और बताइए कि इसमें किसके महत्व को बताया गया है? (2)
(II) 'तहाँ बचावें अंग'–से कवि का क्या अभिप्राय है? (2)

EXPERTS' INSTITUTE

(III) कुत्ते और दुश्मन का सामना होने पर लाठी हमारी क्या सहायता करती है? (3)

(IV) निम्न के शब्दार्थ लिखें– गहरि, छाँड़ि, संग, नारी, बचावे, तिनहूँ (3)

प्र0–9 **राजा के दरबार में, जैये समया पाय।**
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय।।
जहँ कोउ देय–उठाय, बोल अनबोले रहिए।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए।।
कह 'गिरधर कविराय' समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा।।

(I) राजा के दरबार में कब जाना चाहिए? और किस बात का ध्यान रखना चाहिए। (2)

(II) अधिक आतुर होने के लिए कवि ने क्यों मना किया है? (2)

(III) 'हंसिये नहीं हहाय'– का क्या अर्थ है? (3)

(IV) निम्नलिखित के शब्दार्थ लिखिए– (3)
बहुरि, आतुर, समया, कोउ, जहँ, तहाँ

प्र0–10 **प्रभु के दिये हुए सुख इतने,**
हैं विकीर्ण धरती पर
भोग सके जो उन्हें जगत में
कहाँ अभी इतने नर?

(I) उपर्युक्त पंक्तियों द्वारा क्या प्रेरणा दी गई है? (2)

(II) प्रभु ने क्या–क्या सुख हमें प्रदान किया है? (2)

(III) कवि का परिचय लिखिए? (3)

(IV) हम इस धरती को स्वर्ग कैसे बना सकते हैं? (3)

एकांकी संचय

निर्देश : निम्नलिखित अवतरणों को पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र0–11 **"अपराध और किसका है'! सब मुझी को दोष देते हैं।"**

(I) वक्ता और श्रोता कौन है? (2)

(II) वक्ता किस बात से दुःखी थी? (2)

(III) वक्ता को किस घटना का स्मरण हो आता है? (3)

(IV) मिसरानी ने वक्ता को क्या बताया? (3)

प्र0–12 **"निर्मम ही नहीं कायर थी। जिन संस्कारों में तुम पली हो, उन्हें तोड़ने की शक्ति तुम में नहीं है, माँ।"**

(I) वक्ता ने श्रोता को निर्मम के साथ–साथ कायर भी क्यों कहा है? (2)

(II) वक्ता के अनुसार माँ किन संस्कारों में पली थी? (2)

(III) संस्कारों को तोड़ने के लिए किस बात की आवश्यकता होती है? (3)

(IV) वक्ता के अनुसार माँ में उन संस्कारों को तोड़ने की शक्ति क्यों नहीं थी? (3)

प्र0–13 **'यदि मैं कमला को बिना लिए ही गया तो माँ का हृदय टूट जाएगा।'**

(I) वक्ता और श्रोता का कमला से क्या संबंध था? (2)

(II) श्रोता कमला को मायके क्यों नहीं भेजना चाहता था? (2)

(III) वक्ता कमला को मायके क्यों ले जाना चाहता था? (3)

(IV) कमला के मायके न जाने पर किसका दिल टूट जाएगा और क्यों? (3)